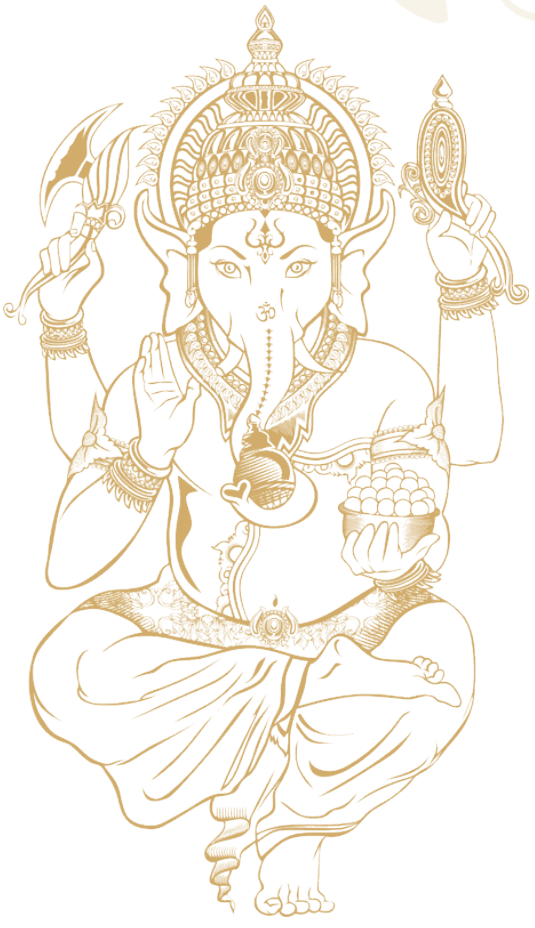

Tavisha

23 Oct 2025

11:40 AM

Hissar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120032204

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/10/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:40:00 घंटे**
इष्ट	12:45:58 घटी
स्थान	**Hissar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:10:00 उत्तर
रेखांश	75:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:13:00 घंटे
वेलान्तर	00:15:43 घंटे
साम्पातिक काल	13:20:40 घंटे
सूर्योदय	06:33:36 घंटे
सूर्यास्त	17:48:47 घंटे
दिनमान	11:15:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	05:52:41 तुला
लग्न के अंश	11:31:17 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	आयुष्मान
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुष्टि
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:31:17	341:24:08	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			तुला	05:52:41	00:59:45	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			तुला	24:50:57	11:51:32	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	27:03:23	00:42:15	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			तुला	28:44:10	01:13:58	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	00:19:18	00:03:43	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	17:26:01	01:14:46	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि	व		मीन	02:01:40	00:03:26	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	23:22:44	00:08:36	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:22:44	00:08:36	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:22:35	00:02:03	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:45:43	00:01:23	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:10:06	00:00:16	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कन्या	27:36:03	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित

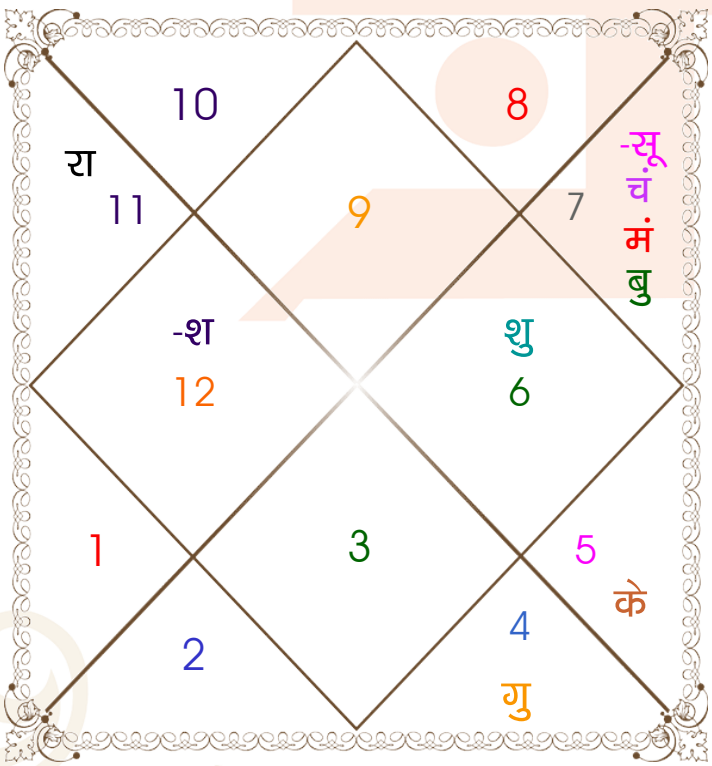

चन्द्र कुंडली

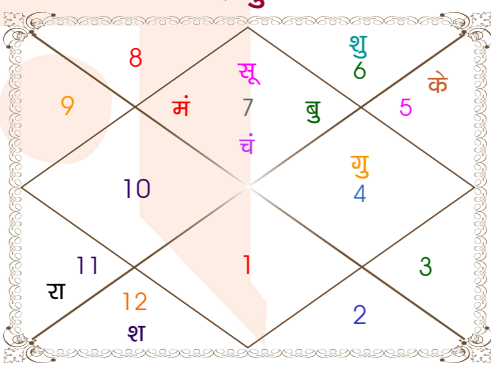

नवमांश कुंडली

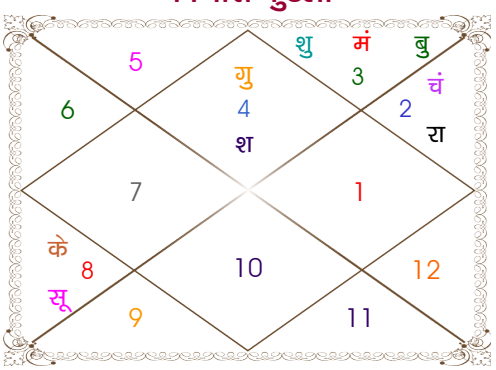

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 2 मास 5 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/10/2025		29/12/2035		28/12/2054		29/12/2071		28/12/2078	
29/12/2035		28/12/2054		29/12/2071		28/12/2078		28/12/2098	
	00/00/0000	शनि	31/12/2038	बुध	26/05/2057	केतु	26/05/2072	शुक्र	29/04/2082
	23/10/2025	बुध	09/09/2041	केतु	23/05/2058	शुक्र	26/07/2073	सूर्य	29/04/2083
बुध	04/12/2026	केतु	19/10/2042	शुक्र	23/03/2061	सूर्य	01/12/2073	चंद्र	28/12/2084
केतु	10/11/2027	शुक्र	19/12/2045	सूर्य	28/01/2062	चंद्र	02/07/2074	मंगल	27/02/2086
शुक्र	11/07/2030	सूर्य	01/12/2046	चंद्र	29/06/2063	मंगल	28/11/2074	राहु	27/02/2089
सूर्य	29/04/2031	चंद्र	01/07/2048	मंगल	25/06/2064	राहु	16/12/2075	गुरु	29/10/2091
चंद्र	28/08/2032	मंगल	10/08/2049	राहु	13/01/2067	गुरु	21/11/2076	शनि	28/12/2094
मंगल	04/08/2033	राहु	16/06/2052	गुरु	19/04/2069	शनि	31/12/2077	बुध	28/10/2097
राहु	29/12/2035	गुरु	28/12/2054	शनि	29/12/2071	बुध	28/12/2078	केतु	28/12/2098

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/12/2098		29/12/2104		29/12/2114		29/12/2121		30/12/2139	
29/12/2104		29/12/2114		29/12/2121		30/12/2139		00/00/0000	
सूर्य	17/04/2099	चंद्र	29/10/2105	मंगल	27/05/2115	राहु	10/09/2124	गुरु	16/02/2142
चंद्र	17/10/2099	मंगल	30/05/2106	राहु	14/06/2116	गुरु	04/02/2127	शनि	29/08/2144
मंगल	21/02/2100	राहु	29/11/2107	गुरु	21/05/2117	शनि	11/12/2129	बुध	24/10/2145
राहु	16/01/2101	गुरु	30/03/2109	शनि	30/06/2118	बुध	29/06/2132		00/00/0000
गुरु	04/11/2101	शनि	29/10/2110	बुध	27/06/2119	केतु	18/07/2133		00/00/0000
शनि	17/10/2102	बुध	30/03/2112	केतु	23/11/2119	शुक्र	17/07/2136		00/00/0000
बुध	24/08/2103	केतु	29/10/2112	शुक्र	22/01/2121	सूर्य	11/06/2137		00/00/0000
केतु	30/12/2103	शुक्र	30/06/2114	सूर्य	30/05/2121	चंद्र	11/12/2138		00/00/0000
शुक्र	29/12/2104	सूर्य	29/12/2114	चंद्र	29/12/2121	मंगल	30/12/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 2 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।